रेत के अवैध कारोबार को कलेक्टर ने कराया ध्वस्त

पांच पोकलेन मशीन जब्त, कई पंडुब्बियों को कराया नष्ट

अज्ञात मशीनों के मालिकों पर करोड़ों का जुर्माना, नोटिस जारी

(आमिर खान)

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। मध्यप्रदेश भर में मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अवैध रेत कारोबारियों एवं माफियाओं पर शिकंजा कसने के लिए कमर कस ली गई है। टीकमगढ़ कलेक्टर ने भी कुछ ऐसा ही किया। उन्होंने पहले अवैध रेत खदानों की जानकारी एकत्रित की और फिर बारी-बारी से सभी जगह छापामार कार्यवाही कराकर बड़ी पोकलेन मशीनों को जब्त कर करोड़ों रुपए का जुर्माना कर डाला। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की इस कार्यवाही से माफियाओं में हड़कंप है।

दरअसल टीकमगढ़ जिले में रेत का ठेका 4 नवंबर 25 को महालक्ष्मी ट्रेडर्स कंपनी को दिया गया था। यह कंपनी जिले में रेत का कारोबार करने आई और रेत का काम शुरू कर दिया गया। इस कंपनी के द्वारा उनको आवंटित 18 खदानों में से शुरू सिर्फ 12 खदानें ही शुरू हुई। जिनमें कंपनी ने रेत निकालना शुरू कर दिया।

हालांकि इन स्वीकृत खदानों के अलावा जिले में अवैध रेत का कारोबार भी शुरू कर दिया गया था। खुलेआम रेत माफियाओं ने जिले के तमाम नदियों पर प्रतिबंधित मशीनरी लगाकर रेत खोदना प्रारंभ किया और जमकर अवैध रेत बेची। लेकिन शायद उन्हें यह पता नहीं होगा कि टीकमगढ़ जिले के कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय उन माफियाओं पर अपना चाबुक चलाकर उन्हें ध्वस्त कर डालेंगे। हुआ भी यही कि कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने पहले अपनी टीमों से ऐसे अवैध रेत के ठिकानों की जानकारी एकत्रित कराई और फिर एक के बाद एक कार्यवाहियों को अंजाम दे डाला। प्रशासनिक कार्यवाही से अब रेत माफियाओं में हड़कंप मच गया है। माफिया अब कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय को कोसते नजर आ रहे हैं। उनका मानना है कि कलेक्टर ने उनकी मेहनत पर पानी फेर डाला, लेकिन सच्चाई तो यही है कि कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के आदेश का ही तो पालन किया है। सीएम के आदेश भला कौन ठुकरा सकता है, कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने वही किया और पूरी ईमानदारी से अपना काम कर सच में जिले को यह दिखा दिया कि अगर कलेक्टर चाहे तो कभी कोई गड़बड़ झाला नहीं हो सकता। वहीं एक बात ओर सामने आई कि पलेरा क्षेत्र के कछोरा में अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है, यहां भी रेत माफिया धड़ल्ले से उत्खनन करने में लगे हैं।

मालिक अब तक सामने नहीं आए

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशन में की गई कार्यवाही में पांच स्थानों पर अलग-अलग तारीखों में दबिश देकर 5 पोकलेन मशीन जब्त करने के साथ 3 पंडुब्बियों को नष्ट कर करोड़ों का जुर्माना किया गया है। खनिज इंस्पेक्टर कुलदीप जैन ने बताया कि 10 मई को उपरारा, 12 मई को टोरिया, छेवला, 20 मई को मंजना कूटीन एवं 28 मई को संजयनगर में कार्यवाही की गई। उन्होंने कहा कि जो पांच मशीनें एवं वाहन जब्त हुए हैं उनके मालिक अब तक सामने नहीं आए हैं। नोटिस जारी किए जा चुके हैं। यह साफ है कि सभी पर करोड़ों रुपए का जुमार्ना किया जा रहा है।

सुनियोजित तरीके से चल रहा था अवैध रेत का कारोबार

इस पूरे मामले को लेकर जब टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि देखिए यह प्रशासन का दायित्व है कि जो भी अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर रहे है, तो हम उसे रोकें और इसके नियम भी हैं, प्रावधान भी हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार यह जानकारी में आ रहा था कि कुछ लोग सुनियोजित तरीके से अवैध रेत का उत्खनन कर रहे हैं इसके लिए राजस्व विभाग द्वारा पहल की गई और पहले उन सभी सूचनाओं को एकत्रित किया गया और इसके बाद एक सख्त कार्यवाही जो है वो रेत माफियाओं के खिलाफ की गई है। यह भी बताते हैं कि जिले में लीगल जो रेत की खदानें हैं काम करने वाली एजेंसी द्वारा भी शिकायत की गई थी कि अन्य खदानों पर कुछ लोग अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर रहे हैं, तो फिर हमनें सबसे पहले उपरारा में कार्यवाही की और उसके बाद जो सूचनाएं सामने आई उसके तहत अन्य कार्यवाहियों को प्रशासनिक अमले ने अंजाम दिया। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने कहा कि मुख्य रूप से तीन चीजों पर फोकस किया गया। इसमें पहला जो स्वीकृत खदानें हैं, उसके अलावा अगर कहीं उत्खनन हो रहा है तो वह गलत है। दूसरा ये कि जो प्रतिबंधित उपकरण हैं, जैसे पोकलेन मशीन द्वारा किसी भी लीगल या इनलीगल खदान पर उत्खनन कर रहे हैं, तो वह गलत है। तीसरी बात यह जो बिल्कुल ही नियम के विरुद्ध है कि अगर कोई नदी के बीच जाकर पंडुब्बी लगाकर रेत निकाल रहा है तो उस पर भी कार्यवाही की जाती है। हमने ऐसे स्थानों को ढूंढकर कार्यवाही की है और यह क्रम आगे भी लगातार जारी रहेगा। अगर किसी को भी इस प्रकार की कोई सूचना मिलती है तो वह उसे साझा करें निश्चित ही कठोर कार्यवाही की जाएगी। अवैध स्थानों एवं प्रतिबंधित उपकरणों से कोई भी उत्खनन नहीं होने दिया जाएगा। वहीं कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने रेत कंपनी के आरोपों पर कहा है कि अब तक उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई है, बल्कि उनको ही सहयोग करने के लिए अवैध स्थानों पर कार्यवाही की जा रही है, जिससे उन्हें नुकसान न हो।

टीकमगढ़ जिले की डायरी

20 हजार मांगे, विधायक ने फटकारा, फिर भी ले लिए 10 हजार

20 हजार मांगे, फोन पर विधायक ने फटकारा इसके बाद भी साहब ने ले लिए 10 हजार . यह हम नहीं कह रहे जिले के एक जनपद पंचायत के सीईओ साहब का कांड अब चर्चाओं में शुमार हो गया है। साहब ने विधायक के करीबी सरपंच से उसका काम करने के एवज में 20 हजार रुपए की मांग की, सरपंच ने सीधा विधायक जी को फोन किया फिर विधायक जी ने सीईओ से कहा कि सारे लोगों को खा लो, मेरे लोगों से ही रिश्वत लोगे। यह सुन सीईओ ने जल्द चेंबर में सरपंच साहब को वापिस बुलाया और कहा कि लाओ तुम्हारा क्या काम है। सरपंच ने उनके सामने फाइल रखी काम कराया, जब सरपंच जाने लगे, तो साहब ने कहा कि चलो जो 10 हजार दे रहे थे वह तो दे दो, सरपंच भी मुस्कुराते हुए सीईओ साहब को 10 हजार दे आए। बड़े साहब ऐसे भ्रष्टाचारियों पर अंकुश लगाईए।

किसान मोर्चा का पत्र बदलवाने की जुगाड़ में नेताजी

किसान मोर्चा का पत्र बदलवाने की जुगाड़ में नेताजी भोपाल के चक्कर लगाने में लगे हैं। शायद उन्हें पता नहीं कि वह जिस संगठन से जुड़े हैं उसमें यह सब नहीं होता। इस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को अगर यह खबर लग गई, तो शायद ऐसा न हो नेताजी की पद तो ठीक पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाए। क्योंकि यहां जो निर्णय संगठन करता है वह सबके सर्वोपरि होता है, परन्तु आप समझने को तैयार ही नहीं। आप तो इस बात पर अड़े हैं कि युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष ही बनना है। बीते दिनों आपने भोपाल में रहकर कई नेताओं से मेल मुलाकात कर संगठन के निर्णय को बदलवाने की जुगाड़ लगाई . आपकी यह बात अब सार्वजनिक हो चली है . इसलिए आप जरा संभलकर रहना नहीं तो निर्णय बदलने के चक्कर में कुछ और ही फैसला संगठन ले ले।

..टीकमगढ़ में रेल मुद्दे पर राजनीति

. . टीकमगढ़ में चुनावी राजनीति की शुरुआत होते ही रेलगाड़ी का मुद्दा सुर्खियों में आ जाता है। जिले की सबसे कमजोर नस मानी जाने वाली रेल सुविधा को हर वह नेता मुद्दा बनाता दिखाई देता है जो टीकमगढ़ से चुनावी टिकट की दावेदारी करना चाहता है। कभी दिल्ली तो कभी भोपाल तक रेल कनेक्टिविटी के सपने दिखाकर नेता जनता की भावनाओं से जुड़ने और लोगों की नजरों में आने की कोशिश करते हैं। हालांकि आमजन का कहना है कि चुनाव बीतते ही ये वादे भी ठंडे पड़ जाते हैं, जबकि टीकमगढ़ आज भी बेहतर रेल सुविधाओं की राह देख रहा है।

आमिर खान, दैनिक नवभारत

10 वर्ष पुराने कर्ज के चलते हुई थी बुजुर्ग की हत्या

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। बड़ागांव खुर्द गांव में 24 मई की रात हुई 55 वर्षीय बुजुर्ग मोहन यादव की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। शनिवार को पुलिस ने इस मामले में गांव के ही 23 वर्षीय युवक राजकुमार सेन को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने हत्या की मुख्य वजह 10 साल पुराना कर्ज और उसका अत्यधिक ब्याज निकली।

एसडीओपी राहुल कटरे ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी राजकुमार के पिता ने करीब 10 साल पहले मृतक मोहन यादव से 70,000 उधार लिए थे। समय बीतने के साथ मोहन यादव ब्याज जोड़कर 13 लाख की मांग कर रहे थे। हत्या से चार दिन पहले मोहन ने राजकुमार के घर जाकर पैसे न देने पर उसकी जमीन पर कब्जा करने की धमकी दी थी, जिससे परेशान होकर राजकुमार ने हत्या की साजिश रची। आरोपी ने कबूल किया कि 23-24 मई की दरमियानी रात जब मोहन यादव अपने घर के बाहर सो रहे थे, तब वह वहां पहुंचा। उसने अपने साथ लाए तौलिये से बुजुर्ग का गला घोंट दिया और पास ही रखे लोहे के बांट वजन से उनके सिर पर ताबड़तोड़ प्रहार किए।

गंभीर चोटों के कारण मोहन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से ही पुलिस संदेही राजकुमार पर नजर रखे हुए थी। पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया तौलिया और लोहे का बांट भी बरामद कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आज होगी टीएल की बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। जिले के कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में टीएल की बैठक आहूत की जाएगी। जिसमें अधिकारियों को द्वारा आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

प्रत्येक सोमवार की तरह आज सोमवार को प्रदेश शासन के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक का आयोजन किया जएगा। बैठक की अध्यक्षता जिला कलेक्टर करेंगे। बैठक में विकास कार्यो की समीक्षा होगी।

जिला जेल का निरीक्षण कर शिविर आयोजित

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती प्रवीणा व्यास के मार्गदर्शन में आज जिला जेल का निरीक्षण के साथ-साथ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

निरीक्षण मतीन सुनीता गोयल सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित बंदीगण को उनके अधिकारों की जानकारी दी साथ ही प्लीवारगेनिंग योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई एवं बंदीगण से उनकी पैरवी हेतु नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध है अथवा नहीं, के संबंध में जानकारी ली। उक्त जिला जेल की पुरूष बैरक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला जेल में सभी व्यवस्थाएं अच्छी पायी गई। बंदियों से पूछताछ करने पर बंदियों द्वारा जेल में कोई परेशानी नहीं होना बताया गया तथा भोजन, स्वास्थ्य उपचार व्यवस्था, मुलाकात व्यवस्था एवं वीडियो कॉफ्रेंस से पेशी तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का होना अच्छा बताया गया। इस अवसर पर जिला जेल के अधिकारी यजुवेन्द्र बाघमारे, एके शुक्ला सहित जेल स्टॉफ एवं बंदीगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के पश्चात वन स्टॉप सेंटर, टीकमगढ़ एवं श्रेया बाल गृह, टीकमगढ़ का सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, टीकमगढ़ श्रीमती सुनीता गोयल द्वारा निरीक्षण किया गया। वन स्टॉप सेंटर, टीकमगढ़ में उपस्थित महिलाओं को उनके अधिकारों के संबंध में अवगत कराया गया एवं वन स्टॉप की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी दी एवं श्रेया बाल गृह, टीकमगढ़ में उपस्थित बच्चों को उनके अधिकारों, पॉक्सो एक्ट एवं गुड़ टच एवं बेड टच के संबंध में जानकारी दी।

विश्व तंबाकू दिवस पर निकाली रैली

नवभारत न्यूज,टीकमगढ़। रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई और उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग सौरभ तिवारी के मार्गदर्शन में एक जागरूकता रैली निकाली गई।

इस रैली में युवाओं और पुलिस जवानों ने हाथों में तख्तियां लेकर लोगों से नशा न करने की अपील की। ग्रामीण स्वावलंबन समिति के सहयोग से तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।ग्रामीण क्षेत्रों में चौपालों के माध्यम से आमजन को तंबाकू और अन्य नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। लोगों को स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

नजाई के दुकानदारों को किया गया व्यवस्थित

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। नजाई मंडी में सब्जी और फुटकर गला व्यापारियों को व्यवस्थित करने के लिए नगर पालिका ने काम शुरू कर दिया है। इसके तहत पुराने चार टीन शेड में शनिवार देर रात नंबरिंग की गई और खाली मैदान में ब्लॉक तैयार किए जा रहे हैं। काम पूरा होने के बाद दुकानदारों को निर्धारित ब्लॉक आवंटित किए जाएंगे। इस पूरी प्रक्रिया की सूची पहले ही तैयार कर ली गई है।

यह पहल एक सप्ताह पहले कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के नजाई मंडी निरीक्षण के बाद शुरू की गई है। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण दुकानदारों ने शिकायत की थी कि बड़े व्यापारियों के कब्जे के कारण उन्हें टीन शेड के बाहर धूप में बैठना पड़ता है।इसके अलावा फल के ठेले और फुटकर गला व्यापारी भी अव्यवस्थित तरीके से दुकानें लगाते थे, जिससे खरीदारों को परेशानी होती थी।

भाजपा पार्षद अभिषेक खरे ने बताया कि मौजूदा चार टीन शेड में पहले लगभग 50 दुकानदार ही बैठ पाते थे। अब नंबरिंग और ब्लॉक व्यवस्था के बाद करीब 120 दुकानदारों को व्यवस्थित रूप से स्थान मिल सकेगा। खाली जगह पर पार्किंग और फुटकर गला व्यापारियों के लिए भी मार्किंग की जा रही है।भीड़भाड़ के कारण दिन में काम करना मुश्किल हो रहा है, इसलिए पिछले चार दिनों से रात में लगातार मार्किंग और निर्माण कार्य किया जा रहा है। यह काम एक-दो दिन में पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद दुकानदारों को निर्धारित स्थानों पर बैठाया जाएगा। मंडी परिसर में एक शौचालय और पेयजल व्यवस्था भी विकसित की जा रही है, ताकि व्यापारियों और ग्राहकों को सुविधा मिल सके।

आगामी दिनों में मौसम रहेगा सक्रिय,बारिश का अलर्ट

रविवार की सुबह आसमान में छाए रहे बादल

नौतपा के बीच मौसम ने बदला अपना मिजाज

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। इससे लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत मिली है। 11 दिनों के बाद पहली बार दोपहर 12 बजे पारा 40 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। रविवार की सुबह आसमान में बादल छाए रहे।

बीती देर रात तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। रविवार सुबह से आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं। वर्तमान में 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है और मौसम में लगभग 34प्रतिशत आर्द्रता है। इन बदलावों से हवा में गर्मी का

तीखापन कम हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, आज अधिकतम तापमान में लगभग 5 डिग्री की कमी आने की संभावना है। अधिकतम तापमान 39 से 40 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। पिछले लगभग 11 दिनों से अधिकतम तापमान लगातार 45 डिग्री पर बना हुआ था।रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री था, जो बुधवार को घटकर 28 डिग्री और गुरुवार रात को 27.5 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने शाम 6 बजे एक बार फिर तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई है। हवा में पिछले दिनों की तुलना में ठंडक महसूस की जा रही है। सुबह 11 बजे अधिकतम तापमान 36 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। अगले दो दिनों तक बारिश की संभावना है, और अगले 4-5 दिनों तक अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास ही रहने का अनुमान है। फिलहाल कुछ दिनों तक लोगों को लू और गर्मी से राहत मिलेगी।शुक्रवार रात प्री-मानसून ने दस्तक दी। तेज आंधी-तूफान के साथ शुरू हुई बारिश रात भर रुक-रुककर जारी रही। मौसम बदलने से लोगों को लंबे समय से चल रही भीषण गर्मी से राहत मिली। बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। रात का न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री से घटकर 23 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं दिन के अधिकतम तापमान में भी करीब 3 डिग्री की कमी दर्ज हुई, जो गुरुवार के 45 डिग्री से घटकर 42 डिग्री सेल्सियस रहा।भू-अभिलेख कार्यालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में तहसील में 29 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। खरगापुर में 27 मिलीमीटर, पलेरा में 20 मिलीमीटर बारिश हुई।

प्रसिद्ध

सन् 1947 में शासन द्वारा किया गया था अधिकृत

100 साल पुराना बनारसी बाग आम के लिए बुंदेलखंड में प्रसिद्ध

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़। शिवधाम कुंडेश्वर स्थित 100 साल पुराना बनारसी बाग अपने लंगड़ा आम के लिए पूरे बुंदेलखंड में प्रसिद्ध है। हाल ही में, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस बाग का लंगड़ा आम इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे दोबारा मंगवाया है।

जमड़ार नदी के किनारे स्थित यह राजशाही आम का बाग लगभग 8 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें वर्तमान में करीब 120 आम के पेड़ लगे हैं, जिनमें लंगड़ा, दशहरी, जानसेन, बंगलुरु, मोहनभोग, छतरपुरी, मुंबई गिरी, कुआं पहाड़, सिंदूरी, बेलखास, सफेदा, चपटी बनारस और देसी आमों की किस्में शामिल हैं। इस बाग के लंगड़ा आमों की देश भर में विशेष मांग है। इस ऐतिहासिक आम के बगीचे को टीकमगढ़ के तत्कालीन महाराजा प्रतापसिंह

जूदेव ने लगभग 100 साल पहले लगवाया था। उन्होंने अपने गुरु पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी के नाम पर इसका नाम बनारसी बाग रखा था। पंडित बनारसीदास महाराजा प्रताप सिंह के आग्रह पर करीब 14 साल तक कुंडेश्वर में रहे थे और उन्हें यहां का लंगड़ा आम बहुत पसंद था।वर्ष 1947 में सेटलमेंट के समय यह बगीचा शासन द्वारा अधिकृत कर लिया गया था। वर्तमान में यह के उद्यानिकी विभाग के संरक्षण में है। विभाग द्वारा हर साल बोली के माध्यम से ठेकेदारों को बगीचा दिया जाता है, ताकि वे ऋतु फल प्राप्त कर सकें। इस वर्ष बगीचे का ठेका 5 लाख रुपये में तय हुआ है। ठेकेदार वसीम खान ने बताया कि मंगलवार को ये आम पूर्व विधायक मुख्यमंत्री के लिए भोपाल लेकर जाएंगे।

बगीचे की देखरेख उद्यानिकी विभाग के भरोसे है, लेकिन ठेकेदार इसे और बेहतर ढंग से संरक्षित करने की आवश्यकता बताते हैं। ठेकेदार वसीम खान के अनुसार, पिछले कुछ सालों से बंदरों का आतंक बढ़ गया है। पेड़ों में आम लगते ही बंदर उन्हें नुकसान पहुंचा देते हैं, जिससे बड़ी मात्रा में आम खराब हो जाते हैं। इस बार आंधी के चलते भी बड़ी मात्रा में आम समय से पहले गिर गए। जिससे करीब 5 से 10 क्विंटल आम का उत्पादन कम हुआ है। इस बगीचे में बेल के 12 पेड़ और अमरूद के पेड़ भी लगे हुए हैं। यहां का अमरूद चंदेरी, गुना और अशोकनगर तक जाता है। जिसे लोग बनारसी बाग के नाम से खरीदते हैं। इन दिनों यहां का लंगड़ा आम 70 से 80 रुपए किलो बाजार में बिक रहा है। हालांकि बनारसी बाग का आम ज्यादातर लोग बगीचे से ही खरीद कर अपने रिश्तेदारों को दूर तक भेजते हैं।

तत्कालीन महाराजा ने लगवाया था आम का बगीचा

इस ऐतिहासिक आम के बगीचे को टीकमगढ़ के तत्कालीन महाराजा प्रतापसिंह जूदेव ने लगभग 100 साल पहले लगवाया था। उन्होंने अपने गुरु पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी के नाम पर इसका नाम बनारसी बाग रखा था। पंडित बनारसीदास महाराजा प्रताप सिंह के आग्रह पर करीब 14 साल तक कुंडेश्वर में रहे थे और उन्हें यहां का लंगड़ा आम बहुत पसंद था।

डाक विभाग के सहयोग से प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशन एवं ऊदल सिंह ठाकुर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में आज पीएम केयर्स योजना अंतर्गत लाभान्वित बच्चों को डाक विभाग के सहयोग से वित्तीय साक्षरता संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

जिसमें पोस्ट मास्टर हरचरण कुम्हार एवं लेखपाल वीरेंद्र पटेरिया द्वारा बच्चों को बैंकिंग एवं बचत संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को बचत खाते, डिजिटल भुगतान, डाकघर की विभिन्न बचत योजनाएं, धन के सुरक्षित उपयोग तथा भविष्य की वित्तीय योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पोस्ट मास्टर ने बच्चों को नियमित बचत की आदत विकसित करने एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय साक्षरता बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।